अस्मि
जेंडर सेन्सेटाईज़ेशन समिति
2021-22
वार्षिक रिपोर्ट

एक ज़माना था जब जेंडर विमर्श पर बात करने पर केवल स्त्रियों से सम्बंधित चिंताएं ही मन-मस्तिष्क में उभरती थीं लेकिन समय बदलने के साथ-साथ सभी तरह की जेंडर अस्मिताओं के प्रश्न और अधिकार इस अवधारणा के तले स्थान प्राप्त कर रहे हैं।

- रामलाल आनंद कॉलेज की जेंडर सेन्सेटाईज़ेशन समिति अस्मि ने सभी लैंगिक अस्मिताओं की स्वतंत्रता और समानता के केन्द्रीय विचार को लक्ष्य रख कर वर्ष 2021-22 की गतिविधियाँ आयोजित की। सत्र का आरम्भ आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 'लैंगिक पूर्वाग्रहों से आज़ादी ' विषय पर भाषण प्रतियोगिता से हुआ जिसमे रामलाल आनंद कॉलेज के शुभनाथ शर्मा, कनुप्रिया राय और सौम्या ग्रोवर तथा नंदनी लावन्या और विकास त्रिपाठी ने क्रमश: प्रथम ,द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में कॉलेज के शिक्षकों सुश्री शिखा वर्मा तथा सुश्री सीमा भारती ने सहयोग

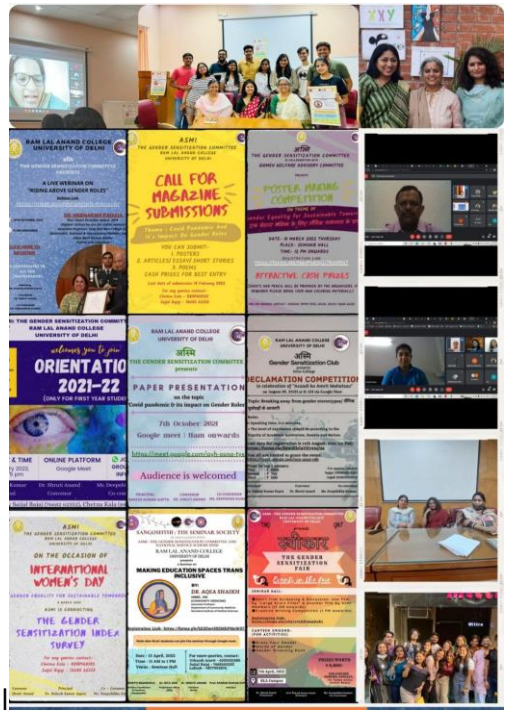

किया। दिनांक 18 जनवरी 2022 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमे जेंडर की सामाजिक धारणा और व्यक्तिगत समझ के बीच एक संतुलन विकसित करने के लिए विद्यार्थी केन्द्रित गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। दिनांक 7 अक्तूबर 2021 को 'कोविड महामारी और लैंगिक भूमिकाओं पर उसका प्रभाव' विषय पर एक अन्तः महाविद्यालयी राष्ट्रीय प्रपत्र प्रस्तुती प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमे रामलाल आनंद कॉलेज के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष के छात्र विकास त्रिपाठी , महाराजा अग्रसेन कॉलेज,दिल्ली विश्वविद्यालय की वैशाली सक्सेना तथा श्रीराम कॉलेज के छात्र नीतीश गोयल ने क्रमश: प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में कॉलेज के शिक्षकों डॉ तहा अली, डॉ उर्वशी कुहाड़ तथा डॉ मानवेश नाथ दास ने सहयोग किया। इसी कार्यक्रम की अगली कड़ी में 'लैंगिक भूमिकाओं से परे ' विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान प्राप्त गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज विश्व स्तरीय तैराक एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मिनाक्षी पाहुजा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थी समाज को पारम्परिक लैंगिक भूमिकाओं से ऊपर उठ कर स्वतंत्र चिंतन और चुनाव के

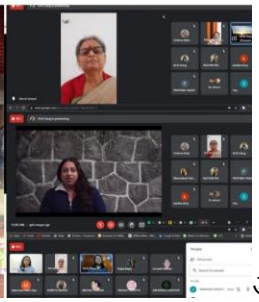
लिए प्रेरित किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 8 मार्च को अस्मि- लैंगिक संवेदी करण समिति ने कॉलेज का एक जेंडर सेन्सेटाईज़ेशन इंडेक्स तैयार करने के लिए कॉलेज में एक विद्यार्थी डेस्क लगाया। जिस पर कॉलेज में लैंगिक समरसता सम्बन्धी आंकड़े इकट्ठे किये गए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ही वीमेन वेलफेयर एडवाइजरी समिति के सह संयोजन में ' बेहतर भविष्य के लिए लैंगिक समानता विषय पर एक ;पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। निर्णायक मंडल के सदस्य थे –डॉ वंदना गुप्ता ,डॉ श्रुति आनंद तथा सुश्री दीपशिखा। दिनांक 7 अप्रैल को अस्मि समिति का वार्षिक उत्सव स्वीकार आयोजित किया गया। यह उत्सव दो हिस्सों में आयोजित किया गया था पहले हिस्से में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित शोर्ट डोक्युमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग और परिचर्चा आयोजित की गयी, दूसरे हिस्से में जेंडर पर आधारित कुछ प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिसमे विद्यार्थियों में लैंगिक पहचानो की समझ के साथ-साथ संवेदनीयता भी विकसित हुई। इस कार्यक्रम के आयोजन में माइक्रो बायोलॉजी विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र गबित नबी तथा सांख्यिकी विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र सुभग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सत्र में अस्मि का अंतिम कार्यक्रम हमदर्द विश्विद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर तथा देश में पहली कम्युनिटी मेडिसिन- नोडल ऑफिसर डॉ अक्सा शेख के 'शैक्षणिक संस्थान को ट्रांसजेंडर्स के लिए समावेशी बनाना' विषय पर वक्तव्य और परिचर्चा पर आधारित था। यह कार्यक्रम संगोष्ठी समिति तथा एन एस एस के सह संयोजन में आयोजित हुआ। देश में ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और स्थिति पर दिया गया यह व्याख्यान छात्रों

के लिए एक दृष्टि खोलने वाला अनुभव था। इस वर्ष का अकादमिक सत्र आधा ऑनलाइन और आधा फिजिकल मोड़ में संपन्न होने के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों को काफी संघर्ष पूर्ण परिस्थितियों में कार्यक्रमों का आयोजन करना पड़ा। ऐसे में समिति के कार्यों में सतत रूप से जुड़े रहे छात्रों और शिक्षकों को समिति में उर्जा बनाये रखने के लिए काफी श्रम करना पड़ा। लैंगिक संवेदीकरण का काम ऐसी कठिन परिस्थितियों में और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब पूरा विश्व कठिन आपदा से गुजर रहा हो। इस वर्ष समिति के कुशल सञ्चालन में जिन विद्यार्थियों ने मनोयोग से भागीदारी की उनमें समिति की छात्र संयोजक एवं जेंडर चैपियन सेजल बजाज तथा उनकी जेंडर चैपियन टीम में ख़ुशी गलेरा, लिली,नंदिनी लवानिया, प्रकार्शी, मनस्वी, अभिषेक, ख़ुशी राज्ज्ञान, कृति और सावी गुप्ता, अस्मि पत्रिका की छात्र संयोजक चेतना काला और उनकी टीम में विकास गुप्ता, अंजली श्रेया ,अक्षिता,सुमेधा और श्रावणी को शुभाशंसा। इस वर्ष अस्मि समिति शिक्षक संयोजकों के नाम हैं सुश्री दीपशिखा (सह-संयोजक),डॉ ऋतू वत्स , सुश्री मीशा सबरीन और डॉ कुलदीप सिंह तथा डॉ श्रुति आनंद (संयोजक)।

डॉ श्रुति आनंद

संयोजक
अस्मि २०२१-२२